गढ़ प्रवेशिका

भाग–2

गढ़ प्रवेशिका

(दूसरा भाग)

पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग

राज्य संदर्भ केन्द्र

साक्षरता निकेतन, लखनऊ-226 005

गढ़ प्रवेशिका
(दूसरा भाग)

रचना मण्डल

डॉ० एन० के० सिंह
श्री लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय'
श्री योगेश्वर प्रसाद देवरानी
डॉ० राधा शर्मा
श्री वीरेन्द्र मुलासी
श्री श्याम लाल
डॉ० धर्म सिंह
श्री लायक राम 'मानव'
श्री विश्वनाथ सिंह

चित्रांकन

श्री डी० वी० दीक्षित
श्रीमती अलका दीक्षित
कु० पूनम शाही
कु० मीरा गुप्ता

प्रकाशक

राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन
लखनऊ-226005

मुद्रक

प्रकाश पैकेजर्स,
257-गोलागंज, लखनऊ।

अप्रैल, 1990

भूमिका

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना के उपरान्त प्रौढ़ शिक्षा के उद्देश्य और कार्यक्रमों में व्यापक परिवर्तन-संशोधन हुआ है। इस संशोधन का प्रभाव कार्यक्रम के प्रत्येक पक्ष पर पड़ा है। मूल साक्षरता सामग्री के निर्माण और उसकी प्रयोग विधि पर भी नवीन परिवर्तनों का असर स्वाभाविक था।

नई नीति के अनुसार निकेतन द्वारा प्रकाशित सभी प्रवेशिकाओं को संशोधित और पुनर्निर्मित किया गया है। कुछ नई प्रवेशिकाएँ भी बनाई गई हैं। नई प्रवेशिकाओं में गढ़ प्रवेशिका" कुमायूँ भारती", आदि भारती" तथा नई किरन" मुख्य हैं। गढ़ प्रवेशिका गढ़वाल क्षेत्र के लिए, कुमायूँ प्रवेशिका कुमायूँ क्षेत्र के लिए, आदि भारती सोनभद्र के लिए तथा नई किरन सामान्य रूप से मध्य क्षेत्र के लिए बनाई गई हैं। नई किरन, नई राह के स्थान पर प्रस्तावित है।

इन प्रवेशिकाओं की कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

०० प्रवेशिकाएँ क्षेत्रीय रुचियों और आवश्यकताओं पर आधारित है। इनमें केवल स्थानीय विषय और समस्याओं को ही नहीं वरन् स्थानीय भाषा को भी प्रमुखता दी गयी है। हमारा विश्वास है कि यदि प्रौढ़ ने अपनी बोली के आधार पर वर्ण और मात्राएँ सीख लीं तो वह मानक भाषा भी शीघ्रता से सीख सकता है, अतः स्थानीय बोली से मानक भाषा पर लाना सहज, सार्थक और शीघ्रगामी है।

०० सभी प्रवेशिकाएँ एकीकृत विधा और मानकों पर आधारित हैं। एकीकृत का मूल तात्पर्य यही है कि साक्षरता, चेतना जागृति एवं व्यावसायिक दक्षता साथ-साथ चले। प्रौढ़ जो कुछ भी पढ़े उसका सुदृढ़ीकरण, परीक्षण और मूल्यांकन भी साथ-साथ होता जाय। अतः प्रत्येक तीन अथवा चार पाठों के दौरान जाँच पत्र दिये गये हैं। व्यावहारिक दक्षता के स्तर तक पहुँचने के लिए प्रारम्भिक स्तर की प्रवेशिका को ३ भागों में बाँटा गया है। इसे यह भी कह सकते हैं कि अब प्रवेशिका ३ भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग का अपना स्तर है। उसी स्तर के आधार पर जाँच पत्र और प्रमाण पत्र दिये गये हैं। भाषा, लेखन, उच्चारण तथा गणित के अभ्यासों को प्रवेशिका के साथ ही जोड़ दिया गया है।

०० इस प्रवेशिका का निर्माण गढ़वाल क्षेत्र में जाकर किया गया है। लिखे गये पाठों का परीक्षण भी यहीं किया गया है। स्थानीय विशेषज्ञों के माध्यम से स्थानीय रुचियों, आवश्यकताओं, समस्याओं का चयन किया गया तथा वहाँ के सांस्कृतिक एवं लोक-जीवन को इस प्रवेशिका के पठन अभ्यासों और चित्रांकनों में उभारा गया है।

प्रवेशिका के निर्माण में जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी, चमोली, श्री योगेश्वर प्रसाद देवरानी, श्री मनोहर लाल खत्री, अनिल चन्द पुरोहित, प्रभात उप्रेती, श्री श्रीनन्द शर्मा एवं विशनदत्त जोशी आदि स्थानीय विद्वानों ने योगदान दिया। विधा, भाषा एवं चित्रांकन विशेषज्ञों में डॉ० एन० के० सिंह, श्री लीलाधर शर्मा पर्वतीय, डॉ० राधा शर्मा, श्रीमती अल्का दीक्षित एवं साक्षरता निकेतन के श्री श्यामलाल, डॉ० धरम सिंह, श्री लायक राम मानव, श्री वीरेन्द्र मुलासी, श्री डी० वी० दीक्षित, कुमारी पूनम साही, कुमारी मीरा गुप्ता एवं श्री वी० एन० सिंह ने अथक परिश्रम करके इस कार्य को पूर्ण किया। हम उपर्युक्त सभी महानुभावों के आभारी हैं।

आशा है यह प्रवेशिका राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफल होगी। इस प्रवेशिका के विषय में सुधी विद्वानों की प्रतिक्रिया का हम स्वागत करेंगे।

शिवदत्त त्रिवेदी
निदेशक
राज्य संदर्भ केन्द्र

गढ़ प्रवेशिका

(दूसरा भाग)

पाठ इकाई विवरणिका

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय क्षेत्र	रा. सा. मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
1.	ढोल डौंरी दमाउँ जागर	ढ (ढ़) ड उ ज	51 से 60 तक गिनती	परम्परागत रीति-रिवाज	सांस्कृतिक कार्य, चेतना-जागृति
2.	नशा अंधा ऐब	श अं ऐ	61 से 70 तक गिनती	मद्य-निषेध	स्वास्थ्य, चेतना-जागृति
3.	औरत पोषण ओगल	औ ष ओ	71 से 80 तक गिनती	पालन-पोषण	स्वास्थ्य, चेतना-जागृति

जाँच-पत्र : 4 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय क्षेत्र	रा. सा. मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
4.	कविता	—	पुनरावृत्ति	परिवेश, पर्यावरण	राष्ट्रीय मूल्य, चेतना-जागृति
5.	जागृति संगठन ऋण आमदनी	ृ ठ ऋ अ	81 से 90 तक गिनती	सामाजिक चेतना आर्थिक विकास	आर्थिक कार्यकलाप, कार्यात्मक शिक्षा
6.	शिक्षा ज्ञान पत्र इनाम	क्ष ज्ञ त्र इ	91 से 100 तक गिनती	साक्षरता, कार्यात्मक शिक्षा	राष्ट्रीय मूल्य, चेतना-जागृति
7.	संयुक्ताक्षर (पाई हटाकर बनने वाले)	—	एक अंक का जोड़	भेड़-पालन	आर्थिक कार्यकलाप, कार्यात्मक शिक्षा, चेतना-जागृति

जाँच-पत्र : 5 (पाठ 4 से 7 तक के लिए)

पाठ सं.	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	विषय क्षेत्र	रा. सा. मि. में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम
8.	संयुक्ताक्षर (घुंडी हटाकर और हलन्त लगाकर)	—	एक अंक का घटाना एवं दो अंक का जोड़	प्रकृति प्रेम, एकात्मता	राष्ट्रीय मूल्य, चेतना-जागृति
9.	संयुक्ताक्षर (र के रूप)	—	एक अंक का गुणा, जोड़ व घटाना	राष्ट्रीय चिह्न	राष्ट्रीय मूल्य, चेतना-जागृति, देश-प्रेम
10.	कविता	—	एक अंक का भाग, गुणा अभ्यास	गढ़वाल महिमा	सांस्कृतिक, आर्थिक कार्यकलाप

जाँच-पत्र : 6 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

प्रमाण-पत्र

पाठ 1
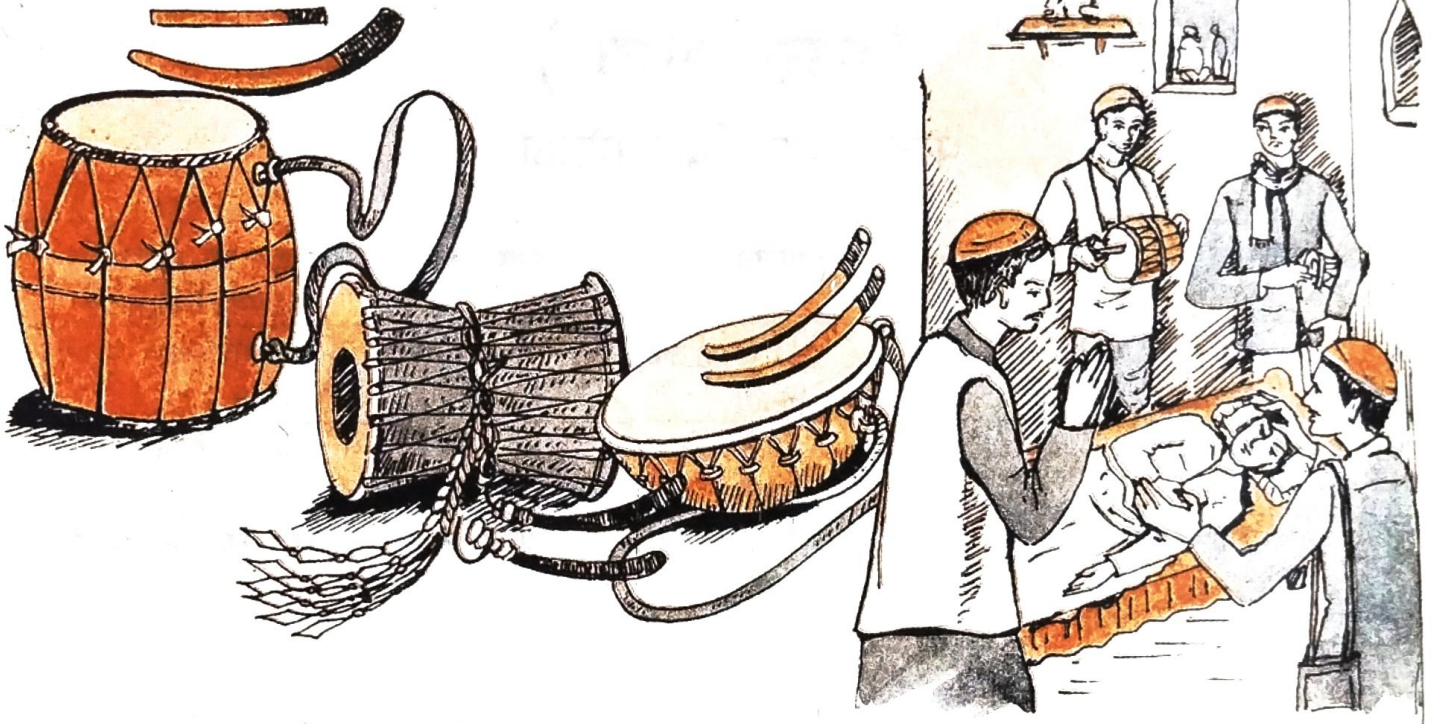
ढोल डौंरी दमाऊँ जागर

ढ (ढ़) ड उ ज

ढ	ढकना	ढाल	ढोलक	ढंग
ढ़	पढ़ना	बाढ़	पीढ़ा	गढ़वाल
ड	डगर	डाल	डलिया	डाक
उ	उमा	उपराऊँ	उड़द	उधार
ज	जल	जिला	भंगजीरु	जटामासी

51 52 53 54 55 56 57 58 59 60

ढोल डौंरी थकुली बजदी, बजदी नोपति दमाउँ पर।
पंडौ की पंडवाणी लगदी, लगदी देवतों की जागर॥

ढलान	**चढ़ाई**	**दाढ़**	**बढ़ई**
अनपढ़	**डीलडौल**	**झंडा**	**मंडल**
डाकखाना	**जंगल**	**उमटा**	**उथला**
जीवन	**ढपली**	**जवाहर**	**हाथाजड़ी**

जागर

जसराम के घर जागर लगाया गया ।

जसराम ने जागर- गाथा गाई –

जै जस दे धरती माता ।
जै जस दे कुरम देवता ।।
जै जस दे गंगा की धार ।
जै जस दे पंचनाम देवता ।।

जागर गाथा के साथ ही ढोल, डौंरी, दमाउँ बजने लगे । डबरू झूमने लगा । फिर खड़ा होकर नाचने लगा ।

जागर चलता रहा । जगरिया ने फिर गाया –

बीजी जावा बीजी हे, खोजी का गणेस ।
बीजी जावा बीजी हे, मोरी का नारैण ।।

गाँव के सभी लोग जमा थे । रतन सिंह भी जागर देख रहा था । रतन सिंह ने पास में खड़े बूढ़े नारायण से पूछा–''बौडा, मैं बचपन से ही जागर देख रहा हूँ , पर यह किसलिए होता है, अब तक नहीं समझा ।''
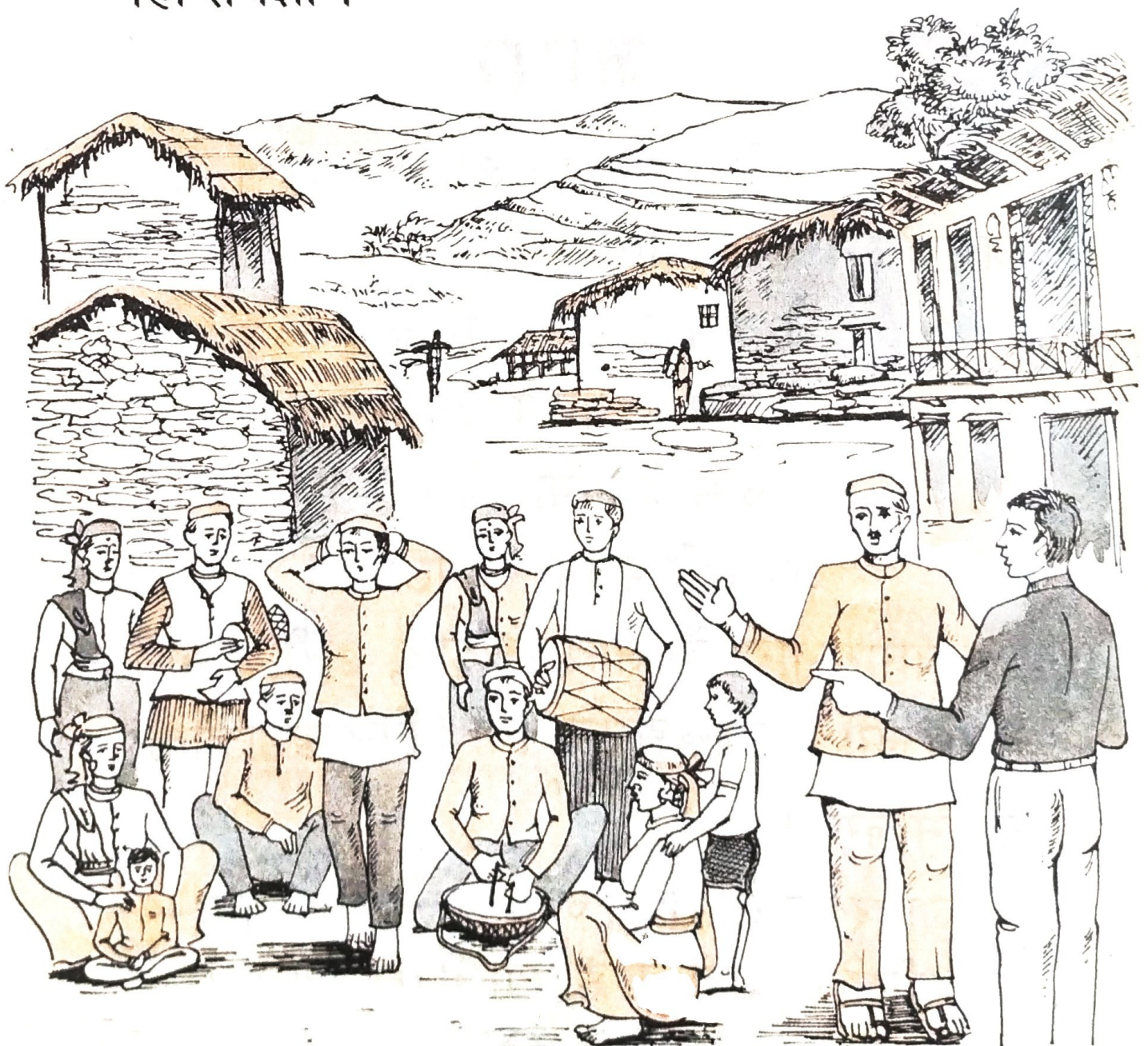
नारायण ने बताया – ''बेटा, यह सबके सुख की कामना से किया जाता है। जागर से देवता को जगाया जाता है, जिससे वह सबको, सारे गाँव को सुखी रखे।''

रतन सिंह ने कहा– ''वाह, बौडा, यह तो तुमने बढ़िया बात बताई। जागर का मतलब है, लोगों के भीतर की मंगलकारी भावना को जगाना। सब की मिली-जुली मंगलकारी भावना ही देवता के रूप में जागती है, सब को सुखी रखती है।''

अभ्यास 1

1.1 नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और लिखिए :

ढकना -------------- बाजार --------------

अपढ़ -------------- उबटन --------------

निडर -------------- गाजर --------------

1.2 ढ़ , ड, उ और ज को जोड़कर शब्द पूरे कीजिए और लिखिए :

प॰॰ना ········ ॰॰लिया ········ ॰॰धार ········ म॰॰दूर ········

ग॰॰वाल ············ ॰॰मरु ········ ॰॰ड़ान ········ ॰॰नता ········

2.1 गिनती लिखिए :

51	52	53	54	55
......	......	......	......	......
56	57	58	59	60
......	......	......	......	......

2.2 46 से 55 तक गिनती लिखिए :

46 ....

.... 55

पाठ 2

नशा   अंधा   ऐब

श   अं   ऐ

श	शान	शोर	शीशम	देश
अं	अंक	अंगूर	अंधकार	अंचल
ऐ	ऐनक	ऐसा	ऐंच	ऐश-आराम

61 62 63 64 65 66 67 68 69 70

धन खर्च दो अपजस मिलदो, होन्द शरीर को नाश।
नशा बड़ु अंधा ऐब छ, होन्द कुबुधि को वास ॥

शहर शुभ खुशहाल ऐपण

अंग अंगार अंकुर ऐरोली

एक तरकीब

[छिनका गाँव की एक गली। लड़कों की भीड़ में एक शराबी। शराबी की पीठ पर एक कागज चिपका है। उस पर लिखा है– ''मैं शराबी हूँ। मेरा जुलूस निकाला जा रहा है।'' अंगद जुलूस की अगुवाई कर रहा है।]

अंगद : हटो-हटो, हमारे गाँव के शराबी जी जा रहे हैं। (एक लड़का शराबी के गले में लटका हुआ टीन जोर से बजा देता है। सब लड़के जोर से हँसते हैं। मंगल का प्रवेश।)

मंगल : (अंगद को किनारे बुलाकर) भाई, यह कैसा जुलूस है? कुछ अजीब-सा लगता है।

अंगद : हाँ, अजीब तो है ही! तुम शायद किसी दूसरे गाँव के रहने वाले हो ?

मंगल : हाँ भाई, मैं सचमुच दूसरे गाँव का हूँ । कुछ समझ नहीं पा रहा ।

अंगद : यह हमारे गाँव के शराबी जी का जुलूस है ।

मंगल : (हँसते हुए) शराबी जी का जुलूस !

अंगद : हाँ ! हमने अपने गाँव के लोगों की

शराब की लत छुड़ाने के लिए यह तरकीब निकाली है। जब भी कोई शराब पीता है, हम उसका जुलूस निकालते हैं। उसके गले में टीन लटकाते हैं। पीठ पर लिखते हैं – "मैं शराबी हूँ। मेरा जुलूस निकाला जा रहा है।"

मंगल : बड़ी बढ़िया तरकीब है, पर इससे कुछ फायदा भी मिला ?

अंगद : बहुत फायदा मिला। अभी दो साल पहले तक हमारे गाँव में ही शराब बनती थी। लोग बहुत पीते थे, पर अब गाँव में कभी-कभी कोई शराबी दिखाई देता है। शराब बननी तो दूर ही हो गई है।

मंगल : यह तो तुम लोगों ने बहुत ही बड़ा काम कर लिया है।

अंगद : यह तरकीब बताई थी, हमें शेरू दिदा तथा शशी दीदी ने। शेरू दिदा ने गाँव में

युवक मंगल दल बनाया है । शशी दीदी महिला मंगल दल की देखभाल करती हैं । अब मैं चलूँ, सवारी दूर चली गई । (अंगद 'हो - हो - शराबी' का नारा लगाते हुए आगे बढ़ जाता है ।)

मंगल : (अपने से) अरे, मैं कितने दिन से परेशान था । यह तो शराब छुड़ाने की बहुत बढ़िया तरकीब है । मैं भी अब यह तरकीब अपने गाँव में अपनाऊँगा ।

(परदा गिरता है ।)

अभ्यास 2

1.1 नीचे दिए हुए शब्दों में से श, अं और ऐ वाले शब्द अलग-अलग लिखिए :

अंकुर शकर ऐपण नाशपाती अंडा

खरगोश अंगद ऐरावत शंकर अंजीर

श --

अं --

ऐ --

1.2 दिए हुए शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए और उन्हें नीचे लिखिए :

भारत जहर फल

शराब पीना ---------- पीने के समान है।

हमारे देश का नाम ---------- है।

अंगूर ताकत देने वाला ---------- है।

----

2. गिनती लिखिए :

61	62	63	64	65
....	....	....	....	....
66	67	68	69	70
....	....	....	....	....

पाठ 3

औरत पोषण ओगल

औ ष ओ

औ	और	औजार	औजी	औली
ष	भाषा	उषा	भूषण	पाषाण
ओ	ओस	ओला	ओज	ओद

71 72 73 74 75 76 77 78 79 80

औरत कर दी दिन भर काम, घास काट ल्योंदी साम ।
पोषण ओगल राई कर दी, खाँदा गौथ भट गरमी सरदी ।।

औकात औसत औलाद शोषण
विशेष ओखली ओढ़नी ओट

ओमी

ओमी हर काम में निपुण है। भोजन में वह विशेष सावधानी रखती है।

वह हमेशा मिली-जुली दाल बनाती है। उसकी देखा-देखी दूसरे घरों में भी मिली-जुली दालें बनने लगी हैं। वह चावल घर में ही कूट लेती है। उसका मॉड़ कभी नहीं फेंकती। गेहूँ घर में ही पीस लेती है। साठी और झँगोरा खुद कूट लेती है।

हरी तरकारी के लाभ उसे खूब मालूम हैं। उसके घर के सामने मौसम के अनुसार कोई न कोई तरकारी हमेशा लगी रहती है। ओगल, ओमी को बहुत पसंद है। ओगल की तरकारी, उसका परिवार बड़े चाव से खाता है।

ओमी, खाली कभी नहीं बैठती। जब समय मिला, वह बगिया में पहुँच जाती है। औतार सिंह भी ओमी की मेहनत देखकर अब उसके काम में हाथ बटाने लगा है।

अभ्यास 3

1.1 पढ़िए और लिखिए :

औतार ---------------- औसत ----------------

ओठ ---------------- कुपोषण ----------------

1.2 ओमवती और औतार दोनों सुखी हैं। उनकी केवल दो औलादें हैं। वे सही ढंग से उनका पालन-पोषण करते हैं। उनकी दोनों औलादें सुंदर हैं। दोनों की सेहत बढ़िया है।

----

2. गिनती लिखिए :

71	72	73	74	75
......	......	......	......	......
76	77	78	79	80
......	......	......	......	......

जाँच पत्र :4 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

1. पढ़िए :

ढोलक गढ़वाल शहर जंगल

अंधकार औजार शोषण ओढ़नी

2. पढ़िए :

वह हमेशा मिली-जुली दाल पकाती है। उसकी देखा-देखी और घरों में भी अब मिली-जुली दालें बनने लगी हैं। चावल वह घर में कूट लेती है। उसका मॉड़ वह कभी नहीं फेंकती।

3. सही कथन के सामने सही (✓) का निशान लगाइए :

ओमी एक तरह की दाल पकाती है।

ओमी मिली - जुली दालें पकाती है।

ओमी घर में चावल कूट लेती है।

ओमी मशीन से चावल कुटवा लेती है।

4. लिखिए :

शीशम ------------ भाषण ------------

डाकखाना ------------ बढ़ई ------------

5. नीचे लिखे वाक्यों में खाली स्थान में सही शब्द भरिए :

ओमी हर काम में ---------------- है ।

(निपुण/परेशान)

जागर का मतलब है --------- भावना को जगाना ।

(शुभ/अशुभ)

ओमी को ------------- बहुत पसन्द है ।

(ओगल/ओखल)

शेरू दिदा ने गाँव में --------------------- बनाया ।

(महिला मंडल/युवक मंगल दल)

6. 51 से 80 तक गिनती लिखिए :

51				
				80

पाठ 4

वन और हम

वन ही धन हैं,
वन जीवन हैं।
वन ही साथी-सखा हमारे ॥
वन हैं तो सब सुख ही सुख हैं,
बिन वन के सब दुख ही दुख हैं।
वन से हम,
हमसे ही वन हैं,
एक-दूसरे के रखवारे।
वन ही साथी-सखा हमारे ॥
खड़े हमारे हित तप करते,
तब ही तो घन-मेह बरसते
फूल-पात, फल,
जड़ी बूटियाँ,
मिलते हैं वन से ही सारे।
वन ही साथी-सखा हमारे ॥

विशन दत्त जोशी

अभ्यास 4

1. अक्षरों और मात्राओं को जोड़कर लिखिए :

	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ौ
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ
ग									
च									
ज									
ट									
ड									
द									
ध									
न									
श									

2. 31 से 60 तक गिनती क्रम से लिखिए :

31 ....

...., ...

....

....

...., ...

.... **60**

पाठ 5

जागृति संगठन ऋण आमदनी

ृ ठ ऋ आ
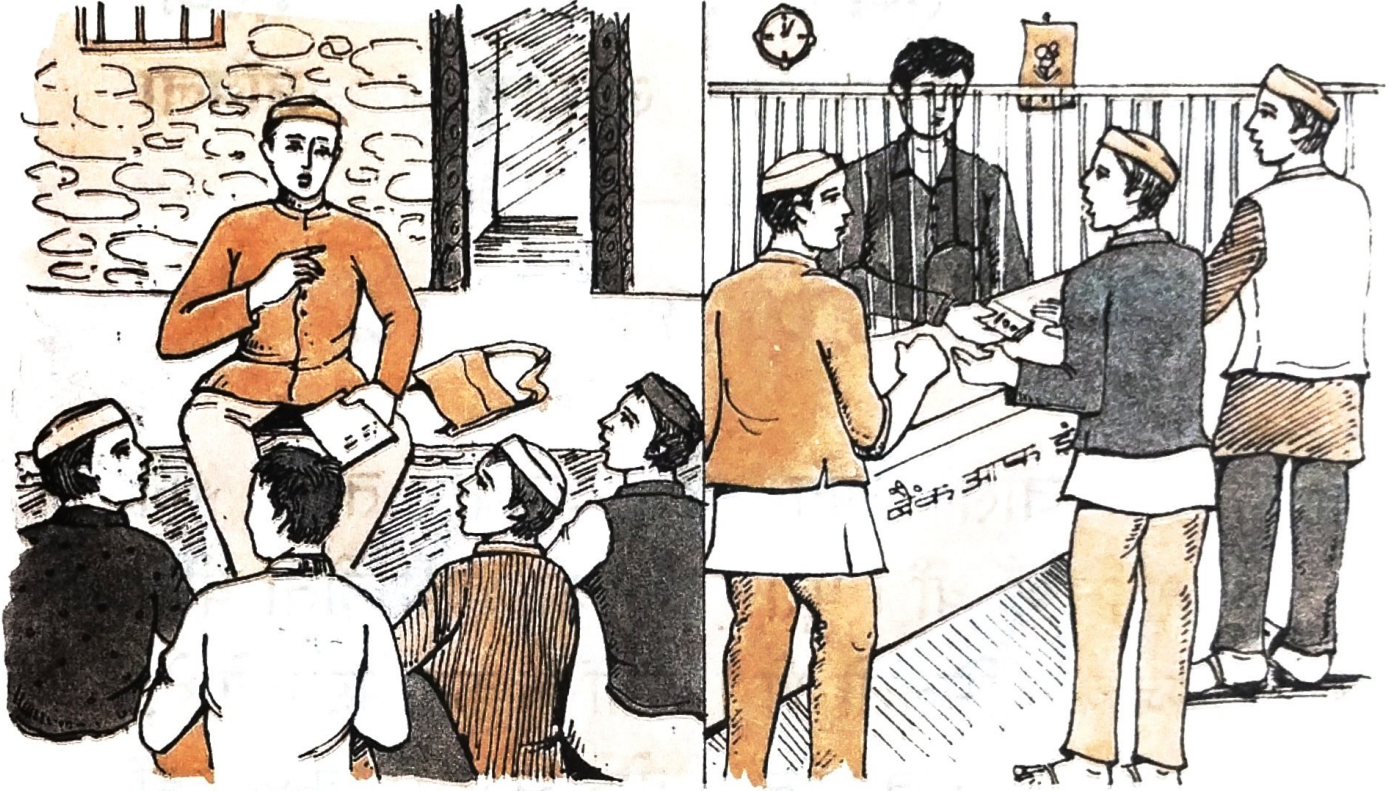
ृ	कृषि	गृह	कृपा	अमृत
ठ	ठाट-बाट	ठिकाना	गोठ	डांडी-काठी
ऋ	ऋषि	ऋतु	ऋणी	ऋषिकेश
आ	आम	आरसा	आदर	आड़ू

81 82 83 84 85 86 87 88 89 90

जागृति हूँण पर हून्द च, संगठन कू भलु काम।
ऋण लेइ उद्योग हुँद, आमदनी रन्दु नाम॥

मृग	तृण	कठोर	पाठक
ठंडक	आकाश	आसान	आँवला

ऋषिपाल का गाँव

जौल गाँव में अनेक तरह की परेशानियाँ थीं। पुराने ढंग की खेती होती थी। उपज कम मिलती थी। फलों के कुछ पेड़ लगे थे, परन्तु ठीक देख-भाल न होने से उनसे कुछ नहीं मिलता था। चारे के अभाव में छोटे-छोटे पशु कम

दूध देते थे। आस-पास के जंगल कट चुके थे। बरसात में जमीन के कटने-धँसने से गाँव के कुछ घरों के गिरने का खतरा पैदा हो गया था। पानी के लिए औरतों को एक मील दूर जाना पड़ता था।

ऋषिपाल ने गाँव वालों की बैठक बुलाई। बैठक में औरतों ने भी भाग लिया। ऋषिपाल ने एक-एक करके गाँव की परेशानियों का बयान किया। यह भी बताया कि अगर हम सब आपस

में संगठित हो जाएँ तो सारी परेशानियों को दूर किया जा सकता है। कुछ काम तो हम खुद भी कर सकते हैं। कई कामों में सरकारी मदद मिल सकती है। आजकल तो बैंकों से बड़ी आसानी से ऋण भी मिल जाता है।

ऋषिपाल की बातों का लोगों पर असर हुआ।

अभ्यास 5

1.1 नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए। उनमें से फलों के नाम छाँटकर लिखिए :

लाही सेब शरीफा आँगन खुबानी

-------- -------- -------- -------- --------

1.2 पढ़िए और लिखिए :

गंगा जल अमृत के समान है ।

हमने आज का पाठ याद कर लिया है ।

2.1 छूटी हुई गिनती पूरी कीजिए :

61			64	
66		68		70
71			74	
	77			80

2.2 गिनती लिखिए :

81 82 83 84 85

....

86 87 88 89 90

....

पाठ 6
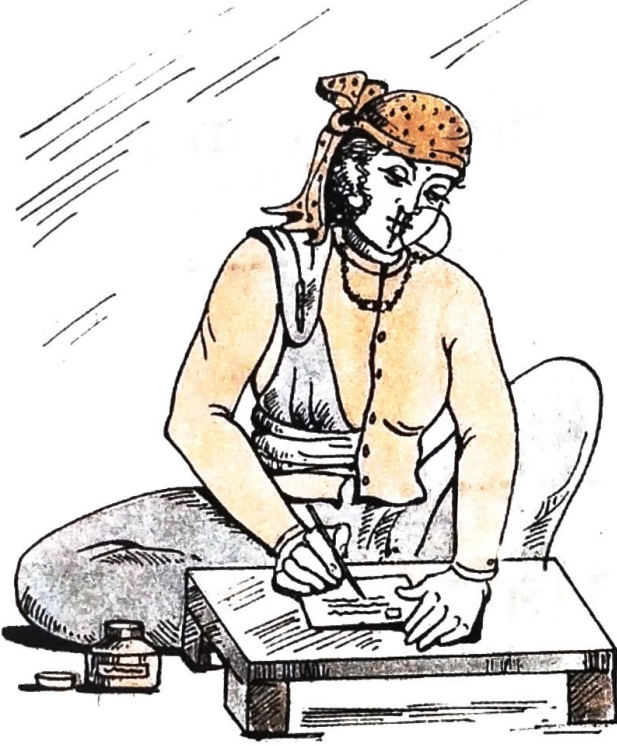
शिक्षा ज्ञान पत्र इनाम

क्ष ज्ञ त्र इ

क्ष	क्षण	क्षमा	कक्षा	साक्षर
ज्ञ	ज्ञान	विज्ञान	यज्ञ	आज्ञा
त्र	पत्र	छात्र	पुत्र	त्रिशूल
इ	इमली	इलायची	इमारत	इरादा

91 92 93 94 95 96 97 98 99 100

भलि शिक्षा से ज्ञान बढ़दु, पत्र लिखण लेंद जानि ।
यू इनाम सबसे बड़ो, यन तू मन मा मानि ॥

रक्षा	पक्षी	परीक्षा	अज्ञान
विज्ञापन	त्रिवेणी	चित्र	मंत्र
इत्र	इशारा	इलाज	इलाका

रधुली का पत्र

20 जनवरी, 89

राजू के बाबा,

यह पत्र मैं अपने आप लिख रही हूँ। हमारे गाँव में पिछले साल से बड़ों के लिए कक्षाएँ चलने लगी हैं। गाँव के बहुत से लोग पढ़-लिख गये हैं। मैंने, सरुली, मधुली, ऊषा सबने लिखना-पढ़ना सीख लिया है। अब तो गाँव में पानी का नल भी लग गया है। पानी लेने के लिए अब आधा मील दूर नहीं जाना पड़ता।

पिछले फागुन में घर में बिजली भी लग गई है।

ज्ञानी दीदी ने एक महिला मंडल बनाया है। भादों के महीने में ज्ञानी दीदी के मंडल ने गाँव

के सुंदर और निरोगी लड़के-लड़कियों को इनाम दिया। हमारे राजू को इसमें पहला इनाम मिला है। जैसा तुमने कहा था, राजू का पालन-पोषण मैं भली-भाँति कर रही हूँ। इस साल से उसे कक्षा में पढ़ने के लिए भेजूँगी।

पत्र जरूर भेजना। राजू तुमको बहुत याद करता है।

रधुली

सूबेदार ज्ञान सिंह
14, गढ़वाल राइफल, 99 ए. पी. ओ.

अभ्यास 6

1. नीचे लिखे हुए शब्दों में से क्ष, ज्ञ, त्र और इ वाले शब्द उन अक्षरों के सामने लिखिए :

विज्ञापन	**निमंत्रण**	**सुरक्षा**	**विज्ञान**
इशारा	**यज्ञ**	**क्षमा**	**इमारत**
इतवार	**पत्र**	**साक्षर**	**छात्र**

क्ष --

ज्ञ --

त्र --

इ --

2. दिए हुए शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए और उन्हें लिखिए :

मंडल कक्षाएँ

गाँव में बड़ों के लिए ------------ चलने लगी हैं ।

ज्ञान दीदी ने एक महिला ------------ बनाया ।

----

3. गिनती लिखिए :

91	**92**	**93**	**94**	**95**
....	....	....	....	....
96	**97**	**98**	**99**	**100**
....	....	....	....	....

पाठ 7

संयुक्ताक्षर

(पाई हटाकर बनने वाले)

ख्	तख्त	प्	छप्पर
ग्	बुग्याल	ब्	ब्वे
घ्	विघ्न	भ्	अभ्यास
च्	च्यूड़ा	म्	सम्मान
ज्	ज्यालपा	ल्	कल्याण
ण्	पुण्य	व्	व्यय
त्	सत्य	श्	श्याम
थ्	पृथ्वी	ष्	मनुष्य
ध्	ध्वजा	स्	स्कूल
न्	बिन्सर	क्ष्	लक्ष्मी

दैड़ा गाँव का भवान सिंह

भवान सिंह दैड़ा गाँव का है। हर साल गरमी के दिनों में अपनी भेड़ों को लेकर आली बुग्याल जाता है। उसके पास पचास भेड़ें अपनी हैं। कुछ भेड़ें गाँव के दूसरे लोग उसके पास छोड़ देते हैं। इस तरह वह हर साल करीब दो सौ भेड़ें लेकर बुग्याल जाता है।

जब वह पहली बार भेड़ें लेकर बुग्याल आया था, तो उसके पिता ने कहा था– "बेटा भवान, ये भेड़ें ही हमारा जीवन हैं। इनको अपने से भिन्न कभी मत समझना। तुमको कष्ट हो तो कोई बात नहीं, पर इनको कभी कष्ट मत देना।

पिछले साल की बात है। भवान सिंह की भेड़ बीमार पड़ गई। न घास खाती, न पानी पीती। भवान सिंह ने बहुत जड़ी-बूटियाँ खिलाईं, पर कोई फायदा नहीं हुआ। उसकी पूरी कोशिश से भी भेड़ नहीं बच पाई। कितना रोया था भवान

सिंह उस दिन । जैसे उसका कोई सगा-सम्बन्धी मर गया हो ।

भवान सिंह का बड़ा लड़का अभी ग्यारह साल का है । भवान सिंह सोच रहा है कि दो-तीन साल बाद उसे अपने साथ बुग्याल लाना शुरू कर देगा ।

वह अपने लड़के को स्कूल भी भेजता है। भवान सिंह ने खुद भी खाली समय में पढ़ना-लिखना सीखा है । बुग्याल में रात को आग

के पास बैठकर वह पढ़ा करता है। भेड़ों के बारे में भी उसने पढ़ा है। अच्छी नस्ल की भेड़ें कौन-सी हैं? उनको कैसे पालना चाहिए? क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए? यह सब भवान सिंह जानता है।

अभ्यास 7

1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और लिखिए :

जख्म	-------------	ग्यारह	-------------
अच्छा	-------------	त्याग	-------------
तथ्य	-------------	ध्यान	-------------
अन्न	-------------	सब्जी	-------------
अम्मा	-------------	ज्वर	-------------
सस्ता	-------------	लक्ष्मी	-------------

2. नीचे दिए हुए शब्दों में खाली जगहें भरिए :

जच्चा   बच्चा   दरख्त   सब्जी   चूल्हा

हरे-------- नहीं काटना चाहिए ।

धुआँ रहित -------- अच्छा होता है ।

हरी -------- खाने से स्वास्थ्य अच्छा होता है ।

-------- और ------- को टीका लगाना जरूरी है ।

3. ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

उत्तम स्वास्थ्य के लिए ----------- जरूरी है ।

(व्यापार/व्यायाम)

हर अच्छी बात को ------------ करना चाहिए ।

(स्वीकार/अस्वीकार)

अधिक सुख मिलेगा, यदि ------------- होंगे ।

(अधिक बच्चे/कम बच्चे)

हमेशा ईश्वर का ------------ करना चाहिए ।

(ध्यान/स्नान)

4. समझिए :जोड़

जोड़ का मतलब है – मिलाना । इसका चिह्न (+) है ।

जैसे–

0 0 0 0	+	0 0 0	=	0 0 0 0 0 0 0
4	+	3	=	7

इसे इस तरह भी लिख सकते हैं :

$$\begin{array}{r} 4 \\ +\ 3 \\ \hline 7 \\ \hline \end{array}$$

जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 5 \\ +4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 3 \\ +2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 5 \\ +3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 6 \\ +1 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

जाँच पत्र : 5 (पाठ 4 से 7 तक के लिए)

1. पढ़िए :

अमृत ऋषिकेष साक्षर आज्ञा

त्रिशूल इलायची बुग्याल लक्ष्मी

2. पढ़िए :

भवान सिंह अपने लड़के को स्कूल भेजता है । भवान सिंह ने खुद भी खाली समय में पढ़ना - लिखना सीखा है ।

3. दिए हुए शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए :

फल ऋण पढ़ना - लिखना सरकारी

1. कई कामों में ---------- मदद मिल जाती है ।
2. आजकल बैंकों से आसानी से ---------- मिल जाता है ।
3. खाद-पानी देने से पेड़ों में खूब ---------- आने लगते हैं ।
4. सरुली, मधुली, ऊषा सबने -------------- सीख लिया ।

4. लिखिए :

ध्यान ---------------- अन्न ----------------

ठंडक ---------------- मृग ----------------

अमृत ---------------- आज्ञा ----------------

पुत्र ---------------- क्षमा ----------------

5. ठीक शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए :

जंगल धीरे-धीरे ------------ होने लगा ।

(हरा-भरा / लाल-पीला)

लोग अपने पैरों पर ------------ होंगे ।

(खड़े / लड़े)

6. जोड़िए :

3	5	3	7
+ 4	+ 7	+ 2	+ 3
____	____	____	____

6	9	2	3
+ 5	+ 2	+ 6	+ 6
____	____	____	____

पाठ 8

संयुक्ताक्षर

(घुंडी हटाकर और हलन्त लगाकर)

क	मक्का	क्यारी	ड्	अड्‌डा	खड्‌डी
फ	फ्यूँली	दफ्तर	द्	विद्‌या	खद्‌दर
ट्	मिट्‌टी	मट्‌ठा	ह्	चिह्‌न	जिह्‌वा
ठ्	पाठ्‌य - पुस्तक				

फ्यूँली

एक थी लड़की। बहुत सुन्दर थी। मुस्कराती थी, तो फूल खिलते। हँसती तो मोती झरते। उसका नाम था फ्यूँली। एक घने जंगल में रहती थी वह। जंगल के पेड़ -पौधे ही उसके मित्र थे और चिड़ियाँ, जानवर ही भाई-बहिन।

एक दिन उस राज्य का राजकुमार शिकार खेलने जंगल में आया। वह रास्ता भटक गया और पहुँच गया फ्यूँली की झोपड़ी में। फ्यूँली ने उसे पानी पिलाया, खाना खिलाया। जब राजकुमार वापस जाने लगा, तो फ्यूँली से बोला – "मैं इस राज्य का राजकुमार हूँ। तुमसे विवाह करना चाहता हूँ। तुम्हें रानी बनाकर अपने साथ रखना चाहता हूँ।"

फ्यूँली ने कहा–"परन्तु, मैं अपने भाई-बहिनों को छोड़कर तुम्हारे साथ कैसे जा सकती हूँ ?"

राजकुमार को ताज्जुब हुआ। उसने पूछा– "कहाँ हैं, तुम्हारे भाई–बहिन ? यहाँ तो कोई भी नहीं दिखाई देता ?"

फ्यूँली मुस्कराई ! उसने कहा – "यहाँ के पेड़े-पौधे, जानवर, चिड़ियाँ, ये सब मेरे भाई-बहिन ही तो हैं। इन्हीं के बीच पली-बढ़ी हूँ मैं।"

राजकुमार ने कहा– "तुम जब चाहो, अपने भाई–बहिनों को मिलने आती रहना। मैं भी आऊँगा तुम्हारे साथ, पर तुम मेरी पत्नी बनकर मेरे साथ चलो।

फ्यूँली मान गई।

फ्यूँली को लेकर राजकुमार अपने घर को चला। फ्यूँली के भाई - बहिन, जानवर, उसे छोड़ने बहुत दूर तक आए। पेड़ों ने अपने पत्ते हिलाकर उसे विदा दी। अपने भाई-बहिनों से

विदा होते हुए फ्यूँली के आँसू नहीं रुक पा रहे थे। उसकी जिह्वा से कोई शब्द भी नहीं निकल पा रहा था। बहुत दुख हो रहा था उसे।

जंगल की सीमा पर उसे छोड़कर उसके भाई - बहिन लौट गए। फ्यूँली एक चट्टान पर खड़ी - खड़ी उन्हें बहुत देर तक देखती रही।

फ्यूँली रानी बन गई। सब सुविधाएँ थीं वहाँ, पर उसका मन राजमहल में कभी नहीं

लगा। उसे हमेशा अपने भाई - बहिन याद आते। अपना जंगल याद आता। इसी दुख से फ्यूँली बीमार रहने लगी। बहुत इलाज हुआ, पर वह ठीक नहीं हो पाई।

एक दिन उसने राजकुमार से कहा— "अब मैं बचूँगी नहीं। मेरे मरने के बाद मुझे वहीं जंगल में चट्टान के नीचे मिट्टी में दबा देना। मैं मरने के बाद तो अपने भाई-बहिनों, अपने मित्रों के बीच रहूँ।" यह कहते-कहते फ्यूँली मर गई। राजकुमार ने उसे जंगल में चट्टान के नीचे दबा दिया। कहते हैं, कुछ दिन बाद वहाँ पर एक सुन्दर-सा, पीला फूल उग आया। उस फूल को ही लोग फ्यूँली कहने लगे।

अभ्यास 8

1. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए और लिखिए :

मक्खन	---------------	विद्वान	---------------
इक्यावन	---------------	अड्डा	---------------
मुफ्त	---------------	मिट्टी	---------------

2. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए और लिखिए :

मक्खियों से बीमारी फैलती है ।

पहाड़ों पर नदियों की रफ्तार तेज होती है ।

बच्चों को टीके अवश्य लगवाएँ ।

घरेलू उद्योग के लिए बैंक से ऋण लें ।

3.1 . समझिए : घटाना

घटाने का मतलब है – कम करना या निकाल देना ।जैसे –

एक आदमी के पास 5 रुपये हैं । उसने 4 रुपये दूसरे को दे दिए ।अब उसके पास केवल 1 रुपया बचा ।5 रुपये में से 4 रुपये कम हो गए तो 1 रुपया बचा ।यही घटाना है ।घटाने का चिह्न (–) है ।

इसे इस तरह भी लिख सकते हैं :

$5 - 4 = 1$ या

$$\begin{array}{r} 5 \\ -4 \\ \hline 1 \\ \hline \end{array}$$

घटाइए :

$$\begin{array}{r} 6 \\ -2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 9 \\ -4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 8 \\ -3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 7 \\ -5 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

3.2 जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 4 \\ +3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 7 \\ +4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 15 \\ +12 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 13 \\ +4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 9

(र के रूप में)

्र	प्रकाश	प्रणाम	नम्रता	प्रयाग
र्‍	धर्म	तीर्थ	पर्यटन	पर्वत
— ^	ट्रक	ट्रेन	राष्ट्र	ड्रामा
श्र	श्रम	श्रमिक	श्रीमती	श्रेष्ठ

राष्ट्रीय चिह्न

प्रत्येक देश के अपने कुछ चिह्न होते हैं। इन्हें राष्ट्रीय चिह्न कहते हैं। हमारे देश भारतवर्ष के भी राष्ट्रीय चिह्न हैं।

राष्ट्रीय झंडा

राष्ट्रीय झंडा राष्ट्र की मर्यादा का प्रतीक है। भारत का राष्ट्रीय झंडा तिरंगा है।
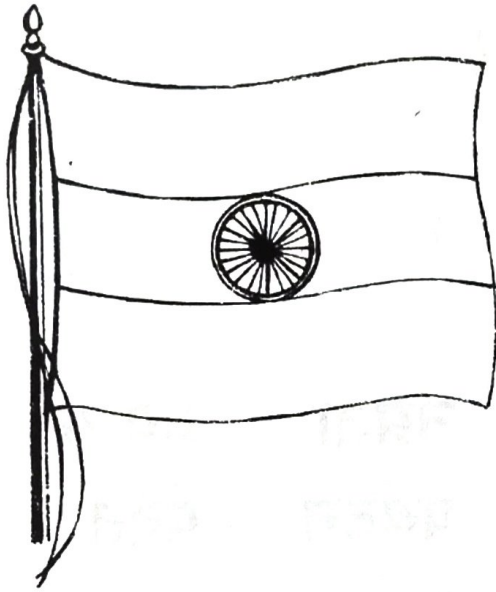
इसमें तीन रंग हैं। सबसे ऊपर केसरिया रंग है। यह त्याग, बलिदान और वीरता का प्रतीक है। बीच में सफेद रंग की पट्टी है। इससे शांति और मैत्री झलकती है। सबसे नीचे हरा रंग है। यह खुशहाली की निशानी है। झंडे के बीच में नीले रंग का अशोक चक्र बना है, इसमें चौबीस तीलियाँ हैं। चक्र हमें निरंतर आगे बढ़ते रहने का संदेश देता है।

राष्ट्र - गान

राष्ट्रीय झंडे की तरह हर देश का राष्ट्र-गान भी होता है। हमारे देश का राष्ट्र-गान 'जन-गण-मन' है। श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने इसे लिखा था। जब राष्ट्र-गान गाया जाता है, तो सभी लोग सावधान की मुद्रा में खड़े होकर इसका सम्मान करते हैं।

राज – चिह्न

आपने रुपये के नोटों में शेरों की मूर्ति का चिह्न देखा होगा। यह चित्र अशोक की लाट से लिया गया है। इसमें चार शेर बने हैं, परन्तु तीन ही दिखाई देते हैं। इसी कारण इसे त्रिमूर्ति कहा जाता है। इस त्रिमूर्ति के नीचे घोड़े और बैल का चित्र बना है। नीचे 'सत्यमेव जयते' लिखा है। भारत सरकार के सभी कागज-पत्रों में यह चिह्न छपा रहता है।

राष्ट्रीय पशु

भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है। बाघ

बहुत शक्तिशाली होता है। यह हमारी शक्ति का प्रतीक है। बाघ को मारना कानूनी अपराध है।

राष्ट्रीय पक्षी

मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। अपने सुन्दर रंग-बिरंगे पंखों के कारण ही यह प्रसिद्ध है। यह पक्षी सुन्दरता का प्रतीक है। इसे भी मारना और पकड़ना कानूनी अपराध है।
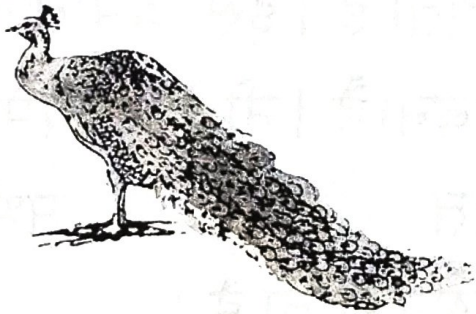
अभ्यास 9

1. पढ़िए और लिखिए :

प्रौढ़	----------------	ग्राम	----------------
राष्ट्र	----------------	कन्ट्रोल	----------------
परिश्रम	----------------	श्रमिक	----------------

2. चौखटे में लिखे शब्दों में से शब्द छाँटकर नीचे लिखे वाक्यों को पूरा कीजिए :

राष्ट्र ध्वज	कर्म	प्रौढ़ों	श्रमिकों

1. तिरंगा झंडा हमारे देश का ------------ है ।
2. निरक्षर ------------ की पढ़ाई के लिए ग्रामों में प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र खोले गए हैं ।
3. सरकार ने ------------ की एक दिन की मजदूरी 18 रु. निर्धारित की है ।
4. ------------ ही पूजा है ।

3.1 समझिए : गुणा

$$6 + 6 + 6 = 18$$

इस तरह भी लिख सकते हैं ।

$6 \times 3 = 18$ या

$$\begin{array}{r} 6 \\ \times 3 \\ \hline 18 \\ \hline \end{array}$$

इसे गुणा करना कहते हैं ।

3.2 गुणा कीजिए :

$$\begin{array}{r} 4 \\ \times 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 5 \\ \times 6 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 3 \\ \times 8 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 2 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 9 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

3.3 जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 32 \\ +13 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 55 \\ +32 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 34 \\ +15 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 45 \\ +33 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

3.4 घटाइए :

$$\begin{array}{r} 36 \\ -12 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 56 \\ -32 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 47 \\ -24 \\ \hline \\ \hline \end{array} \quad \begin{array}{r} 78 \\ -52 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

पाठ 10

जन्मभूमि गढ़वाल हमारी

जन्मभूमि गढ़वाल हमारी,
पुण्य - भूमि है देवों की ।
गंगा - जमुना गहने इसके,
सिर पर मुकुट हिमालय,
बच्चा - बच्चा देवोमय है,
घर - घर है देवालय ।
तपोभूमि है ऋषि - मुनियों की,
कर्मभूमि भागीरथ की,
इस धरती के कण - कण में है,
पावनता तप - तीरथ की ।

वेद व्यास ने इसी भूमि पर,
रचना की है वेदों की ।
जन्मभूमि गढ़वाल हमारी,
पुण्य - भूमि है देवों की ।।
जंगल - जंगल गूँजा करती,
बंशी - धुन चरवाहों की,
शोभा यहाँ निराली लगती,
सर्पीली - सी राहों की ।
जगह - जगह पर सजे हुए हैं,
जंगल बाँज - बुराँस के,
बुग्यालों में बिछे बिछौने,
हरी मखमली घास के ।
इसी भूमि पर मिले जन्म,
इच्छा होती है देवों की ।
जन्मभूमि गढ़वाल हमारी,
पुण्य - भूमि है देवों की ।।
बेटे इसके वीर सिपाही,
देश - प्रेम इनका बाना,

आजादी पर हुए निछावर,
मौत को भी जीवन माना ।
मेहनतकश हैं बहू -बेटियाँ,
नन्दा देवी की संतानें,
बाधाओं से डर कर रुकना,
तीलू की बहनें क्या जानें ।
हर मन में ही पावनता है,
वनदेवी - वनदेवों सी ।
जन्मभूमि गढ़वाल हमारी,
पुण्य - भूमि है देवों की । ।

- वीरेन्द्र मुलासी
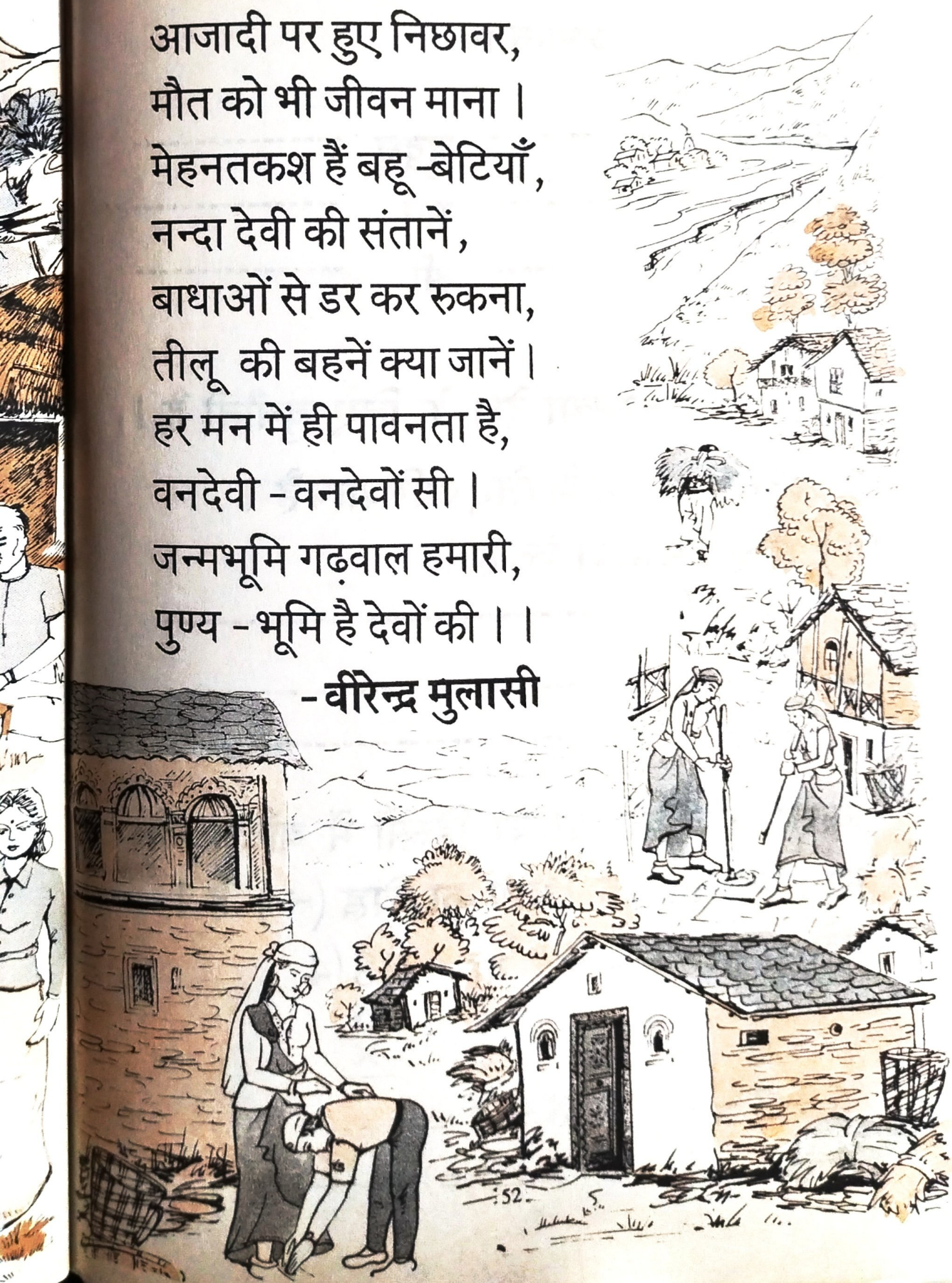
अभ्यास 10

1. पढ़िए और लिखिए :

दक्खिन ---------------- बुद्धू ----------------

प्राण ---------------- सर्प ----------------

ड्रम ---------------- श्री ----------------

2. पढ़िए, समझिए और लिखिए :

(क) बढ़ती जनसंख्या देश के लिए चुनौती है ।

(ख) निरक्षरता देश के लिए अभिशाप है ।

(ग) एकता में ही शक्ति है ।

----

3. समझिए : भाग

किसी चीज को बराबर हिस्सों में बाँटने को भाग देना कहते हैं । भाग का चिह्न (÷) है ।

जैसे: $8 \div 2 = 4$ या 2)8(4
8
×

भाग दीजिए :

$6 \div 3 =$ -------- $8 \div 4 =$ --------

$4 \div 2 =$ -------- $9 \div 3 =$ --------

4. गुणा कीजिए :

$$\begin{array}{r} 14 \\ \times 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 22 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

$$\begin{array}{r} 24 \\ \times 2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 11 \\ \times 7 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

जाँच पत्र : 6 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

1. पढ़िए :

भारत का राष्ट्रीय झंडा तिरंगा है। इसमें तीन रंग हैं। सबसे ऊपर केसरिया रंग है। यह त्याग, बलिदान और वीरता का प्रतीक है। बीच में सफेद रंग की पट्टी है। इससे शांति और मैत्री झलकती है। सबसे नीचे हरा रंग है। यह खुशहाली की निशानी है। झंडे के बीच अशोक चक्र है। चक्र हमें निरंतर आगे बढ़ने का संदेश देता है।

2. ऊपर लिखी पंक्तियों के आधार पर नीचे कुछ वाक्य दिए हैं। सही वाक्य के सामने (✓) और गलत वाक्य के सामने (×) का निशान लगाएँ :

राष्ट्रीय झंडे में तीन रंग हैं।

झंडे में सबसे ऊपर हरा रंग है।

झंडे के बीच में सफेद रंग की पट्टी है।

झंडे के बीच में सुदर्शन चक्र बना है।

3. चित्र देखकर उनके नाम लिखिए :

-------------------- --------------------

---------------- --------------------
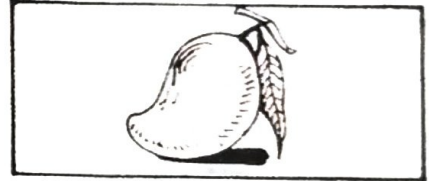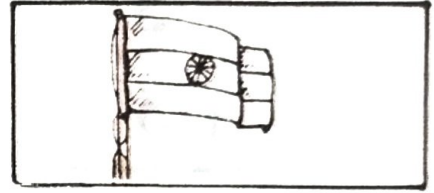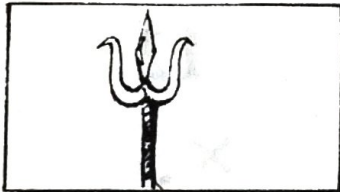
4. इमला लिखिए :

(पाठ 8 से प्रारम्भ के पाँच वाक्यों का इमला बोलें ।)

----

5. जोड़िए :

$$\begin{array}{r} 5 \\ +3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 7 \\ +2 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 23 \\ +14 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

6. घटाइए :

$$\begin{array}{r} 6 \\ -4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 9 \\ -6 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 27 \\ -15 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

7. गुणा कीजिए :

$$\begin{array}{r} 5 \\ \times 3 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 4 \\ \times 4 \\ \hline \\ \hline \end{array} \qquad \begin{array}{r} 12 \\ \times 3 \\ \hline \\ \hline \end{array}$$

8. भाग दीजिए :

$6 \div 2 =$ .... $9 \div 3 =$ ....

प्रतिभागी का नाम ———————— पता ————————

प्रवेश तिथि ————————

परीक्षा तिथि ————————

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर ————————

तिथि ————————

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रमः ....

परियोजनाः ....

जिलाः .... उत्तर प्रदेश

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. .... सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री .... ने सन् .... में चलाए गए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में 'गढ़ प्रवेशिका' (दूसरा भाग) पूरा कर लिया है।

पर्यवेक्षक/प्रेरक ग्राम प्रधान अनुदेशक

तारीख ....